



GST NO. 07AAACE1747M1ZJ

CIN U20299DL1986 NPL023253

# EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS

EPCH HOUSE, POCKET 6 & 7, SECTOR 'C', LOCAL SHOPPING CENTRE, VASANT KUNJ, NEW DELHI-110070

Tel: 91-11-26135256

Fax: 91-11-26135518,26135519

Email: [press@epch.com](mailto:press@epch.com)

web: [www.epch.in](http://www.epch.in)

## PRESS RELEASE

### EPCH ORGANIZED VIRTUAL AWARENESS WEBINAR ON "CYBER SECURITY & PROACTIVE MEASURES IN THE AGE OF PANDEMIC" for member exporters

**NEW DELHI – 13<sup>th</sup> July'2021** - The Export Promotion Council for Handicrafts (EPCH) today successfully organized an awareness webinar virtually on "**CYBER SECURITY & PROACTIVE MEASURES IN THE AGE OF PANDEMIC**" on zoom platform. Mr. Ravi K Passi, Imme. Past Chairman-EPCH, Mr. R. K. Verma, Executive Director -EPCH and leading large number of member exporters' from PAN India like Jaipur, Jodhpur, Moradabad, Mumbai, Saharanpur, North-East, Delhi NCR, Narsapur, Bangalore etc. alongwith Shri Ram Suresh Yadav, Superintendent of Police, Economic Offence Wing (EOW), Meerut Sector and Mr. Rakshit Tandon, Cyber Security Expert as Key Guest faculties were present in the above awareness webinar session. Mr. Rakshit Tandon and Mr. Ram Suresh Yadav shared his vast experience in the field of cyber security measures, informed by Dr. Rakesh Kumar, Director General-EPCH.

During webinar, Mr. Rakshit Tandon, Cyber Security Expert mentioned that from video calls to virtual events to contactless payments to online shopping more than ever before, the pandemic has spurred a greater dependence on technology. But with increased dependence comes increased risks. As we adapt to the new normal, it is important to not only understand the threats we could be exposed to in the digital world but also ensure that we take proactive measures to secure our personal and professional data. Mr. Tandon mentioned that in this age of digitization, data and personally identifiable information are of great value to cybercriminals.

During webinar Mr. Tandon suggested that using public Wi-Fi or an unsecured internet connection could leave your data vulnerable to eavesdroppers and hackers. Always use a wireless connection with security, he elaborated on the important issues and cyber security proactive measures like: Threats during pandemic, Introduction to cyber crimes, How to protect digital identity, Social media threats and securities, Digital Transactions and Securities, Business Email securities and threats, Cyber crime redressed and Cyber Laws, informed Dr. Rakesh Kumar, Director General-EPCH.

Speaking on the occasion, Mr. R. K. Verma, Executive Director -EPCH said that People have been working from home more than ever this past year in response to the Covid-19 pandemic, which has created a whole new layer of cybersecurity risks and exporter members should safeguard their IT infrastructure and protect vital information in a remote workplace.

Speaking during webinar, Shri Ram Suresh Yadav, Superintendent of Police, Economic Offence Wing (EOW), Meerut Sector mentioned about necessary precautionary measures for cyber security like Protect networks against external and internal attack, Manage the network primer, Filter out unauthorized access, malicious contents, Monitor and test security controls. Mr. Yadav stressed on the need to establish a monitoring strategy and produce supporting policies, continuously monitor all IT system and networks in work place and analyse logs for unusual activity.

The surge in communications and the wholesale shift to operate export businesses online have at the same time increased the risk of cyberattacks by an order of magnitude and introduced a wide range of new risks. Organizations' perimeter security is at risk of being breached. They need always-on surveillance and real-time risk analysis for breaches at both physical and digital entry points. Necessary proactive measures be adopted by our member exporters, said Mr. Raj Kumar Malhotra, Chairman-EPCH.

Follow us on #epchindia



The pandemic has ushered in a new era of cyber security. IT security professionals who raise their game and protect their companies' people, technology and data from new or heightened risks of more sophisticated cybercriminals will be crucial players in the economic turnaround, said Mr. Ravi K. Passi, Immediate Past Chairman-EPCH.

The exports of handicrafts for April-March of the current financial year 2020-21 is at Rs. 25679.98 crores (US\$ 3459.75million) registering a marginal growth of 1.62 % (Rupee terms) and (-) 2.93 % (dollar terms) over the same period last year. However, as far as exports for the month of (April-June) 2021-22 (provisional) is at Rs. 4642.76 crores (US\$ 629.27million) and a growth of 82.89% in Rupees terms and 88.09% in Dollar terms, informed by Dr. Rakesh Kumar, Director General-EPCH.

---

**For more information, please contact :**

Mr. R. K. VERMA, EXECUTIVE DIRECTOR– EPCH - +91-98106 97868

Follow us on #epchindia



# प्रेस विज्ञप्ति

## ईपीसीएच ने अपने सदस्य निर्यातकों की वर्चुअल जागरूकता के लिए “सायबर सिक्योरिटी एंड प्रोएक्टिव मेजर्स इन एज ऑफ पैंडेमिक” विषयक वेबिनार का आयोजन किया

नई दिल्ली 13 जुलाई 2021 - हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) ने आज जूम प्लेटफॉर्म पर वर्चुअल मोड पर लिए “सायबर सिक्योरिटी एंड प्रोएक्टिव मेजर्स इन एज ऑफ पैंडेमिक” विषयक वेबिनार का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस अवसर पर, ईपीसीएच के पूर्व चेयरमैन श्री रवि के पासी, ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक आर.के वर्मा और जयपुर, जोधपुर, मुरादाबाद, मुंबई, पूर्वोत्तर, दिल्ली एनसीआर, नरसापुर, बंगलुरु समेत पूरे देश के सदस्य निर्यातक बड़ी संख्या में मौजूद रहे। इनके साथ ही श्री राम सुरेश यादव, पुलिस अधीक्षक, आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू), मेरठ सेक्टर और श्री रक्षित टंडन, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, मुख्य अतिथि संकाय के रूप में उपरोक्त जागरूकता वेबिनार सत्र में उपस्थित थे। ईपीसीएच के महानिदेशक डॉक्टर राकेश कुमार ने जानकारी दी कि श्री रक्षित टंडन और श्री राम सुरेश यादव ने साइबर सुरक्षा उपायों के क्षेत्र में अपने वृहद अनुभव को साझा किया।

वेबिनार के दौरान, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ श्री रक्षित टंडन ने जानकारी दी कि वीडियो कॉल से लेकर वर्चुअल इवेंट तक, संपर्क रहित भुगतान से लेकर ऑनलाइन शॉपिंग तक, महामारी ने हमारी निर्भरता प्रौद्योगिकी पर कहीं ज्यादा बढ़ा दी है। लेकिन बढ़ती निर्भरता के साथ जोखिम भी बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि जब हम न्यू नार्मल के हिसाब से खुद को ढाल रहे हैं तो न केवल उन खतरों को समझना महत्वपूर्ण है जो डिजिटल दुनिया में हमारे सामने आ सकते हैं बल्कि यह भी सुनिश्चित करना जरूरी है कि हम अपने व्यक्तिगत और प्रोफेशनल डेटा को सुरक्षित करने के लिए पूरी सक्रियता से उपाय करें। श्री टंडन ने उल्लेख किया कि डिजिटलीकरण के इस युग में, डेटा और व्यक्तिगत पहचान से जुड़ी जानकारी साइबर अपराधियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।

वेबिनार में अपनी बात को विस्तार देते हुए श्री टंडन के सुझाव दिया कि सार्वजनिक वाई-फाई या असुरक्षित इंटरनेट कनेक्शन का उपयोग करने से आपका डेटा असुरक्षित हो जाता है और सायबर अपराधियों, पहचान छुपाकर काम करने वाले अपराधिक सायबर एक्सपर्ट और हैकर्स के लिए इसका उपयोग करना आसान हो जाता है। उन्होंने सुझाव दिया कि वायरलेस कनेक्शन का उपयोग सायबर सुरक्षा के पूरे इंतजाम के साथ करें। ईपीसीएच के महानिदेशक डॉक्टर राकेश कुमार ने जानकारी दी कि श्री टंडन ने इस अवसर पर सायबर सिक्योरिटी से जुड़े बहुत से महत्वपूर्ण विषयों पर बात की जैसे महामारी के दौरान सायबर खतरे, साइबर अपराधों का परिचय, डिजिटल पहचान की रक्षा कैसे करें, सोशल मीडिया के खतरे और सुरक्षा इंतजाम, डिजिटल लेनदेन और सुरक्षा उपायों, व्यापार ईमेल सुरक्षा और खतरे, साइबर अपराध निवारण और साइबर कानून आदि।

इस अवसर पर बोलते हुए, ईपीसीएच के Executive Director, Mr. R.K. Verma ने कहा कि कोविड-19 महामारी की वजह से इस दौरान लोग पिछले एक साल में पहले से कहीं वर्क फ्राम होम यानी घर से काम कर रहे हैं, जिसने साइबर सुरक्षा जोखिमों का स्तर और ज्यादा बढ़ा दिया है। ऐसे में सदस्य निर्यातकों को अपने आईटी बुनियादी ढांचे और रिमोट कार्यस्थल पर महत्वपूर्ण जानकारी की सुरक्षा के व्यापक इंतजाम करने चाहिए।

Follow us on #epchindia



वेबिनार के दौरान बोलते हुए, श्री राम सुरेश यादव, पुलिस अधीक्षक, आर्थिक अपराध विंग (ईओडब्ल्यू), मेरठ सेक्टर ने साइबर सुरक्षा के लिए आवश्यक एहतियाती उपायों के बारे में बताया जैसे बाहरी और आंतरिक हमले के खिलाफ नेटवर्क को सुरक्षित रखना, नेटवर्क प्राइमर का प्रबंधन, अनाधिकृत एक्सेस और दुर्भावनापूर्ण सामग्री को फिल्टर करना, निगरानी और सुरक्षा नियंत्रण की स्थापना और परीक्षण करना आदि। श्री यादव ने एक निगरानी रणनीति स्थापित करने और उनको सशक्त करने वाली नीतियां बनाए जाने, कार्यस्थल पर सभी आईटी सिस्टम और नेटवर्क की लगातार निगरानी करने और असामान्य गतिविधि के लिए लॉग का विश्लेषण करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

इस अवसर पर ईपीसीएच के चेयरमैन श्री राजकुमार मल्होत्रा ने कहा कि कोविड के दौरान संचार में हुई एकाएक बढ़त और निर्यात कारोबार को ऑनलाइन मोड पर चलाने की वजह से हुए व्यापक बदलाव ने भी ऐसे समय में साइबर हमले के जोखिम को कहीं ज्यादा बढ़ा दिया है। इसके साथ ही इन बदलावों की वजह से नए जोखिमों की एक पूरी विस्तृत श्रृंखला भी सामने आ गयी है। संगठनों की सुरक्षा भंग होने का खतरा कहीं ज्यादा बढ़ गया है। आज वास्तविक और डिजिटल दोनों ही जगहों पर इन खतरों की हमेशा निगरानी करने और सही समय में जोखिम विश्लेषण वक्त की जरूरत बन गयी है। ऐसे में हमारे सदस्य निर्यातकों को सुरक्षा के लिए आवश्यक और प्रभावी कदम उठाना जरूरी हो गया है।

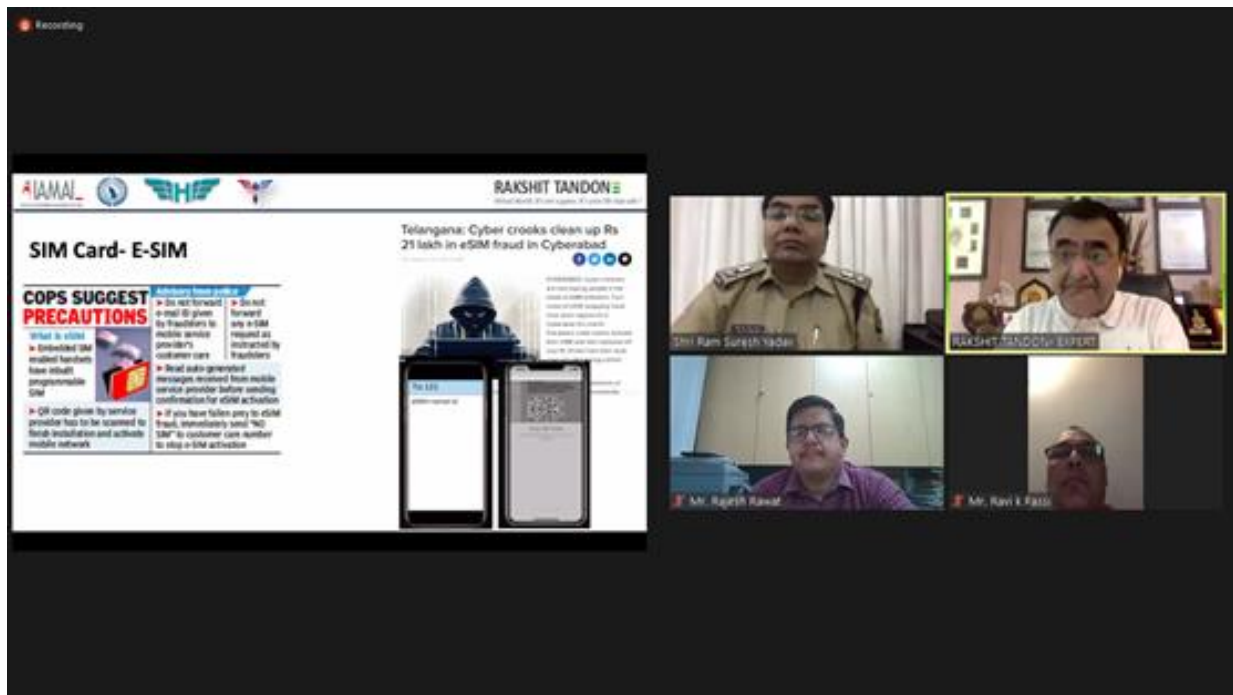
इस अवसर पर हाल में ईपीसीएच के चेयरमैन रहे श्री रवि के पासो ने कहा कि महामारी ने साइबर सुरक्षा के एक नए युग की शुरुआत की हुई है। अब आईटी सुरक्षा पेशेवर को अपना स्तर सुधार कर अपनी कंपनियों के लोगों, प्रौद्योगिकी और डेटा को ज्यादा खतरनाक साइबर अपराधियों के नए या बढ़े हुए जोखिमों से बचाना होगा। उन्होंने कहा कि अब ऐसे ही आई टी पेशेवर बदली हुई परिस्थितियों में आर्थिक बदलाव में महत्वपूर्ण खिलाड़ी साबित होंगे।

इस अवसर पर ईपीसीएच के महानिदेशक डॉक्टर राकेश कुमार ने सूचित किया कि वित्तीय वर्ष 2020-21 की अप्रैल-मार्च अवधि के लिए हस्तशिल्प निर्यात का अनुमानित आंकड़ा 25679.98 करोड़ रुपये (3459.75 मिलियन अमेरिकी डालर) है। बीते वर्ष की इसी अवधि की तुलना में रुपये के संदर्भ में इसमें 1.62% की आंशिक वृद्धि और डॉलर के संदर्भ में (-) 2.93% प्रतिशत की गिरावट दर्ज है। हालांकि वर्ष 2021-22 के अप्रैल-जून माह (तदर्थ) में कुल निर्यात 4642.76 करोड़ रुपये (629.27 मिलियन अमरीकी डॉलर) दर्ज किया गया है। निर्यात का यह आंकड़ा पिछले वर्ष तुलना में रुपये के संदर्भ में 82.89% और डॉलर के संदर्भ में 88.09% वृद्धि दर्शाता है।

**अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:**

श्री आर.के वर्मा, कार्यकारी निदेशक- ईपीसीएच- +91-9810697868





Mr. Rakshit Tandon, Cyber Security Expert addressing the participants during EPCH webinar organized on CYBER SECURITY & PROACTIVE MEASURES on held on 13.07.21, also seen Mr. R. K. Verma, Executive Director –EPCH, Shri Ram Suresh Yadav, Superintendent of Police, Economic Offence Wing (EOW), Meerut Sector



Shri Ram Suresh Yadav, Superintendent of Police, Economic Offence Wing (EOW), Meerut Sector (Guest Faculty) addressing the participants during EPCH webinar organized on CYBER SECURITY & PROACTIVE MEASURES on held on 13.07.21, also seen Mr. Ravi K Passi, Imme. Past Chairman-EPCH, Mr. R. K. Verma, Executive Director –EPCH and Mr. Rakshit Tandon, Cyber Security Expert

